Study + DPR on Cultural Tourism at Kampilya

DRAUPADI
Rehabilitation
Empowerment
Awareness
Medi-care
TRUST

Socio-Economic Development *via* facilitating
Kampilye/Farrukhabad as a place of Tourist Destination

A workshop on tourism
Venue: Kampilye
Date: 4th & 5th Sep.'05

Study
Venue: Kampilye
(Dec'05-Apr'06)

Seminar on Tourism
Venue: Convention hall, The Ashok
Date: 18th Aug'06

स्वतंत्र भारत

मंगलवार, ६ सितम्बर २००५

फर्रुखाबाद को पर्यटन के माध्यम से विश्व के मानचित्र पर लाने का प्रयास

अमर उजाला

कानपुर, मंगलवार, 6 सितंबर, 2005

पर्यटकों को आकर्षित करने की योजना बनेगी

कंपिल तथा संकिसा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दिया जाएगा महत्व

अमर उजाला प्रतिनिधि

दैनिक जागरण

मंगलवार, 6 सितंबर, 2005

पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए कवायद

सिटी रिपोर्टर, फर्रुखाबाद

पत्रकारों से वार्ता करते ए.के.गुप्ता, नीता मिश्रा व अन्य। जागरण

फर्रुखाबाद आज

फर्रुखाबाद को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करना हमारा उद्देश्य-नीरा

भारत निर्माण के लिये विश्व बैंक ने केन्द्र को काफी पैसा दिया है गुप्ता

DRAUPADI
Rehabilitation
Empowerment
Awareness
Medi-care
TRUST

Study Report on Tourism, Kampilya

Concept

Every charge brings with it new opprtunities. It boom and Globalization, likewise have also opened the world to interesting progressive ides and opportunities for rnterpreneurs and job seekers.

The exposure and information available about the world at fingertips has created a desire, in many, to actually visit far flung areas and know more about the places and people one has to do business/ work with.

This, combined with the innate curiosity and creativity of the human mind, has made Tourism a very profitable economic activity.

When women are making a mark in all fields and are naturally good hosts. It becomes imperative to explore now Development can provide income generation activities-both enterpreneurial and jobs.

The focus of this Study was development of new Tourist Destination to create opportunities for locals.

Area chosen was District Farrukhabad, especially Kampilya-an area rich in History, Natural Resources, handicrafts and Human Resources.

Purpose of the Study:

Within the framework of Women Empowerment the Draupadi Trust under took a Study "Development Opportunities for women Enterpreneurs and job Seekers in Tourism in Farrukhabad District" of the State of Uttar Pradesh, especially the Kampilya area.

The overall aim was:

+ To identity ways to develop Farrukhabad and Kampilya as a major tourist destination.
+ To provide income generating opportunities for women through tourism development.
+ The socio-economic and sustainable development of women.

Projections for opportunities & Possibilities enterpreneurship & jobs via Development of Culture Tourism at Kampilya, Farrukhaba

Population: Approx 1.2 million voters are in the Farrukhabad District
Approx 12,000 voters are in Kampilya

Almost 50% is female having education facility only up to class 12 Cultural Tourism will give rise to the following sectors-

1. Travel-ticketing & booking, Travel agency
2. Tour Operators. Taxi services
3. Kiosks for handicraft items, local special Garments & food items-Fashion & Product designers
4. Hospitality business-restaurants, hotels and items needed for these, Paying Guest Houses
5. Internet Cafe, communications Kiosks for cell phones etc.
6. Entertainment Business, local art, cultural
7. Guides, storytellers
8. Manpower Training, need for computer trained personnel
9. Printing & Packaging (DTP) Business, web designing,
10. Boost to local women who make handcrafted products or processed food items Tailoring & Embroidery job workers & entrepreneurs.
11. Overall increase in opportunities for Manufacturing, Trade, Marketing
12. Opportunity for computer operators in different fields.
13. Need for quality education in it and different vocations and training.
14. Potential for Beauty Parlors, Dry cleaning, gift shops etc.

अमर उजाला

कानपुर, शनिवार, 29 अप्रैल, 2006 9

द्रोपदी ट्रस्ट-सरकार मिल कर करेंगे नगर विकास

अमर उजाला प्रतिनिधि

कंपिल (फर्रुखाबाद)। दिल्ली से आई वास्तुशास्त्री डा. बीबी पुरी ने शुक्रवार को कहा कि इस नगरी के तीर्थ स्थानों का विकास द्रोपदी ट्रस्ट तथा सरकार दोनों मिलकर कराएंगे। उन्होंने नगर के ऐतिहासिक रामेश्वर नाथ मंदिर, द्रोपदी कुंड, कपिल मुनि की मठिया, विश्रात घाट आदि को देखा।

वास्तुशास्त्री ने कहा कि शास्त्र के हिसाब से यह पुरानी जगह है। कपिल मुनि का मंदिर महाभारत काल का है। उन्होंने कहा कि विश्रांत घाट देखने से पता चलता है कि यह काफी पुराना है। उन्होंने कहा कि अभी तक इस नगरी का विकास नहीं हुआ है। इसके विकास के लिए लोगों को आगे आना चाहिए। मास्टर प्लान बनाकर ही इस नगरी का विकास कराया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि द्रोपदी ट्रस्ट के माध्यम से एक योजना बनाई जा रही है, ताकि यहां का विकास हो सके। वास्तुशास्त्री ने कहा कि उन्होंने 100 से अधिक वास्तुशास्त्र की किताबें लिखी हैं। ट्रस्ट की अध्यक्ष नीरा मिश्रा ने कहा कि विश्रांत घाट के पास, जो गौशाला बनाई गई है, वह इस जगह के लिए घातक है।

उन्होंने कहा कि उनकी कोशिश है कि इस जगह का विकास हो। उन्होंने कहा कि सरकार से मिलकर इस नगरी के तीर्थ स्थानों का विकास कार्य कराउंगी: उन्हें इस बात का दुख है कि यहां के लोग उनका सहयोग नहीं कर रहे हैं। इस मौके पर अमित पांडेय, बंटी, आनंद स्वरुप चतुर्वेदी, [illegible] सक्सेना आदि दर्जनों लोग मौजूद रहे।

(A Study Report was published & distributed at the seminar)

Study on Development Opportunities in Tourism

April - 06

Visit to Farrukhabad, Kampilya with Vedic Architect Dr. B. B. Puri & ITDC

दैनिक जागरण

रविवार, 30 अप्रैल 2006

जो प्रशंसा के पुल बांधे उससे दूर रहें

वास्तुशास्त्र से 7 दिन में लाभ का दावा

सिटी रिपोर्टर, फर्रुखाबाद

पत्रकारों से वार्ता करते वास्तुशास्त्री बी.बी. पुरी साथ में नीरा मिश्रा आदि।

जाने-माने वास्तुशास्त्री बी.बी. पुरी ने कहा कि वास्तु शास्त्र विश्वव्यापी है और इसे हर धर्म के लोग मानते हैं। सी.आई.एफ.डी. सेंटरमें पत्रकारों से, वार्ता करते हुए वास्तुशास्त्री ने कहा कि वास्तु शास्त्र मैन, मैटेरियल व नेचर पर निर्भर है। यह एक ऐसा विज्ञान है जिससे सात दिन के अंदर ही फायदा नजर आने लगेगा।

श्री पुरी ने कहा कि शनिवार को उन्होंने कम्पिल के ऐतिहासिक स्थलों को देखा था। कम्पिल कस्बे के ढांचे को देखकर लगा कि यह वाकई नगर महाभारत कालीन रहा होगा।

उन्होंने कहा कि दैनिक जीवन में जागने से लेकर सोने तक की क्रिया में भी वास्तु का बड़ा महत्व है। घर की दिशा, बेड रूम व किचन का स्थान आफिस व फैक्ट्री की दिशा यह सब वास्तु के हिसाब से तो हम बहुत जल्द प्रगति कर सकते हैं। उन्होंने वास्तुशास्त्र के वेद से जुड़े होने का भी दावा किया।

उन्होंने कहा कि आजकल हाईटेक जमाने से दैनिक जीवन में काम आने वाले उपकरण हमको बहुत हानि पहुंचाते हैं। अगर इनको भी वास्तु के हिसाब से उपयोग किया जाये तो हानियों का कम किया जा सकता है।

वार्ता के दौरान द्रोपदी ट्रस्ट की चेयरपर्सन नीरा मिश्रा, प्रशांत चौहान आदि लोग उपस्थित रहे।

Visit to Jaipur to study employment opportunities for Rural artisans & Youth.